राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

एकेडेमिक ऑडिट के जरिये विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं का मूल्यांकन कर उच्च–शिक्षा में सुधार के ठोस कदम उठाये जाएँगे– कुलाधिपति–सह–राज्यपाल

पटना, 25 नवम्बर 2017

''दृढ़ इच्छाशक्ति के बूते सीमित संसाधनों के बल पर भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। राज्य में उच्च शिक्षा के विकास हेतु 'एकेडमिक ऑडिट' कराते हुए उच्च शिक्षा की मौजूदा स्थिति का तथ्यपरक मूल्यांकन कराते हुए निहायत जरूरतों की पहचान की जाएगी और मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाये जाएँगे''– उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री सत्य पाल मलिक ने आज राजभवन में आयोजित राज्य के सभी पारम्परिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक को उद्‌घाटित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि एकेडमिक कैलेण्डर एवं इक्जामिनेशन कैलेण्डर का अनुपालन पूरी तरह करते हुए हम उच्च–शिक्षा के हालात को तेजी से सुधार सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन विश्वविद्यालयों के सत्र एवं परीक्षाएँ काफी विलम्बित हैं, उनके कुलपति शीघ्र सत्र को नियमित करने की दिशा में ठोस कार्रवाई करें।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में 'स्वच्छता अभियान' गंभीरतापूर्वक संचालित करने पर जोर देते हुए कहा कि गर्ल्स कॉमन रूम के साथ पर्याप्त शौचालय व्यवस्था हर हालत में सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन एफ्लीएटेड कॉलेजों में शौचालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो, उनकी मंजूरी के प्रस्ताव हरगिज नहीं भेजें जाएँ।

राज्यपाल ने कहा कि 'छात्र संघों' के चुनाव समय पर कराने के लिए समय–तालिका तैयार कर लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्र–संघों के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का सम्यक् विकास होता है तथा विश्वविद्यालयीय समस्याओं के विमर्श का भी एक उचित फोरम उपलब्ध हो जाता है।

राज्यपाल ने शोध–कार्यों में गुणवत्ता एवं नियमितिता दोंनो में सुधार की आवश्यकता बताई। उन्होंने सेवान्त लाभ के मामलों को तेजी से निबटाने, शिकायत निवारण–कोषांग को सुदृढ़ और सक्रिय करने, विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन बहाल रखने, 'NACC Accreditation' ससमय प्राप्त करने, 'Management Information System' को मजबूत करने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने नवाचारी प्रयोगों को प्राथमिकता देते हुए एक दूसरे के Best practices को भी अपनाने का सुझाव दिया।

राज्यपाल ने 'सांस्कृतिक एवं स्पोर्ट्स कैलेण्डर' तैयार करते हुए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाएँ ससमय आयोजित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिनियमों के जरिये ही प्रावधान कर, खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाओं को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। श्री मलिक ने कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों और कलाकारों को नामांकन में सुनिश्चित प्रतिशत का वेटेज मिलना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में विभिन्न खेलों के सुयोग्य प्रशिक्षकों की व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं आदि का भी आधुनिकीकरण एवं सृदृढ़ीकरण करने को कहा।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में निर्माण कार्यों सहिम तमाम गतिविधियों में पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता की अपेक्षा की तथा कहा कि हर हालत में भ्रष्टाचार को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

बैठक को सम्बोधित करते हुए राज्य के शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसरों में शांति–व्यवस्था तथा अध्ययन के अनुकूल वातावरण बनाये रखने में हर संभव प्रशासनिक सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि उच्च–शिक्षा में बेहतरी के प्रयासों को तेज किए जाने की जरूरत है।

बैठक में 'पावर प्रेजेन्टेशन के जरिये शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, श्री आर. के. महाजन ने कहा कि विश्वविद्यालयों के लिए नये पदों के सृजन एवं किसी भी तरह की नियुक्ति के लिए राज्य सरकार की स्वीकृति अनिवार्य है। साथ ही विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे अपना बजट बनाकर ससमय शिक्षा विभाग को उपलब्ध करा दें, ताकि वास्तविक बजटीय प्रावधान तैयार करने में असुविधा नहीं हो। उन्होंने न्यायालयीय आदेशों के अनुपालन या आवश्यकतानुसार एल.पी.ए. ससमय दाखिल करने पर भी जोर दिया। उन्होंने स्टूडेंट क्रेडिट कॉर्ड के वितरण हेतु आवश्यक प्रचार–प्रसार करने को भी कहा।

इस महत्वपूर्ण बैठक में कुलाधिपति के निदेश पर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये और उनके परिपालन के लिए समयावधि भी निर्धारित की गई। बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के एकेडेमिक एवं इग्जामिनेशन कैलेण्डर मार्च 2018 तक अनिवार्यतः तैयार कर लेने का निर्णय हुआ। साथ ही बैठक के दौरान, प्रत्येक विश्वविद्यालय में छात्र–संघ चुनाव 15 जनवरी 2018 तक पूरा कर लेने का निर्णय हुआ। बैठक के दौरान बायोमैट्रिक प्रणाली के जरिये शिक्षकों, शोधार्थियों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की हाजिरी दर्ज कराने की व्यवस्था मार्च 2018 तक पूरी कर लेने का भी निर्णय हुआ। बैठक में विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों का मार्च 2018 तक अपेक्षित संशोधन/परिवर्द्धन कर लेने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय या महाविद्यालय के हर भवन में विशेषकर छात्राओं/ महिलाओं के लिए शौचालय की व्यवस्था मार्च 2018 तक सुनिश्चित कर ली जायेगी। आवश्यकतानुसार परिसरों में सुलभ शौचालय केन्द्र भी स्थापित किये जायेंगे।

इस बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय यह भी लिया गया कि प्रत्येक महिने के तीसरे बुधवार को राजभवन में कुलपतियों की बैठक होगी जिसमें विश्वविद्यालयीय क्रियाकलापों की समीक्षा होगी।

बैठक में एफ्लीएटेड कॉलेजों की सूची, पाठ्यक्रमों एवं निर्धारित सीटों सहित अखबारों में प्रकाशित कराने का भी निर्णय लिया गया, ताकि कोई विद्यार्थी दिग्भ्रमित नहीं हो। बैठक में 'नैक एक्रीडिटिटेशन' ससमय प्राप्त करने के लिए भी निर्णय लिया गया, ताकि RUSA से फन्डिंग में कठिनाई नहीं हो।

बैठक के दौरान के.एस.डी. संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति, श्री सर्वनारायण झा ने स्वच्छता अभियान, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. रास बिहारी प्रसाद सिंह ने एकेडमिक और इक्जामिनेशन कैलेण्डर, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. नलिनीकान्त झा ने छात्र–संघ चुनाव, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह ने नवाचारी कार्य, नालंदा खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविन्द्र कुमार सिन्हा ने अर्न्तविश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता, एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने नामांकन एवं परीक्षा–प्रक्रिया के कम्प्यूटरीकरण, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ए.के. अग्रवाल ने शोधकार्य, बी.एन.मंडल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अवधकिशोर राय ने विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनुशासन, मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कमर अहसन ने विश्वविद्यालयों में निर्माण कार्य तथा वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सैयद मुमताजुद्दीन ने पुराने पाठ्यक्रमों के पुनरीक्षण विषय पर अपनी प्रस्तुति बैठक के दौरान दी। लगभग 7 घंटे से भी अधिक समय तक चली इस महत्वपूर्ण बैठक में विश्वविद्यालयों में उच्च–शिक्षा के विकास पर गंभीरता से मंथन हुआ। बैठक में स्वागत भाषण राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने किया। तकनीकी सत्र के बाद, बैठक के इन्टरैक्शन सत्र में विश्वविद्यालयों की कतिपय समस्याओं पर विचार किया गया एवं सुधार विषयक कई सुझाव दिये गये।

.....